

न्यायालय जिला कलेक्टर, कोटा

पीठासीन अधिकारी:- ओम कसेरा, I.A.S.

प्रकरण संख्या -04/2014 (अपील)

1. देवलाल आत्मज गोपाल जाति तेली, निवासी सोगरिया, तहसील लाडपुरा
जिला कोटा —अपीलान्त.

बनाम

1. सुभाष यादव पुत्र विभूति यादव जाति अहीर, निवासी रणजीत कॉलोनी
सोगरिया, तहसील लाडपुरा जिला कोटा —रेस्पोंडेन्ट.

अपील अर्न्तगत धारा 75 राजस्थान भूराजस्व अधिनियम 1956
विरुद्ध इंतकाल संख्या 617 निर्णय दिनांक 30.12.2013 ग्राम सोगरिया
तह0 लाडपुरा



उस्थिति

1. श्री उत्तमचन्द खण्डेलवाल अभिभाषक अपीलान्त
2. श्री जगदीश खण्डेलवाल, अभिभाषक रेस्पोंडेन्ट

प्रकरण संख्या-29/2014 (अपील)

1. देवलाल आत्मज गोपाल जाति तेली, निवासी सोगरिया, तहसील लाडपुरा
जिला कोटा

—अपीलान्त

बनाम

1. मोहम्मद शफी पुत्र रुस्तम अली, जाति मुसलमान, निवासी 14-बी लेक
व्यू कॉलोनी न्यू आकाशवाणी कोटा (राज0)
2. अशोक कुमार उदलक्खा पुत्र श्याम लाल उदलक्खा जाति पंजाबी,
निवासी मकाननम्बर 4 रेल्वे सोसायटी मालारोड कोटा
—रेस्पोंडेन्ट

अपील अर्न्तगत धारा 75 राजस्थान भूराजस्व अधिनियम 1956
विरुद्ध इंतकाल संख्या 620 निर्णय दिनांक 09.01.2014 ग्राम सोगरिया
तह0 लाडपुरा

उस्थिति

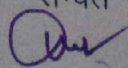
1. श्री उत्तमचन्द खण्डेलवाल अभिभाषक अपीलान्त
2. श्री जगदीश खण्डेलवाल, अभिभाषक रेस्पोजेन्ट
3. श्री रामबाबू मालव, अभिभाषक रेस्पोजेन्ट

उपरोक्त दौनों अपील प्रकरणों में एक ही अपीलांत होने एवं एक ही ग्राम सोगरिया के ख०नं० भी एक होने से दौनों अपीलों का निर्णय एकसाथ किया जा रहा है ।

निर्णय

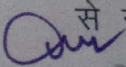
दिनांक- 31.12.019

1. प्रथम अपील सं० 4/2014 के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार, लाडपुरा द्वारा दिनांक 30.12.2013 से आदेश पारित किया कि "रिपोर्ट पटवारी व आई०एल०आर० अनुसार नामा० सं० 617 स्वीकृत किया गया ।"
2. इसी प्रकार द्वितीय अपील सं० 29/2014 के संक्षेप में तथ्य इस प्रकार है कि अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार लाडपुरा द्वारा आदेश दिनांक 9.1.2014 नामा० सं० 620 ग्राम सोगरिया में आदेश पारित किया कि "रिपोर्ट पटवारी/आई०एल०आर० अनुसार नामा० स्वीकार है, यदि किसी न्यायालय का स्थगन हो तो तदनुसार पालना करें"
3. उक्त आदेश दिनांक 30.12.2013 व 9.1.2014 की अप्रसन्नता में यह अपील दिनांक 20.01.2014 व 30.1.2014 को पेश कर कथन किया है कि ग्राम सोगरिया स्थित खसरा नम्बर 156 व 157/609 अपीलांत के पिता के खाते की भूमि थी जिसे सेटलमेंट विभाग द्वारा सद्दयंत्रपूर्वक तरीके से गलत तौर पर रेस्पोजेन्ट के पिता के खाते में दर्ज कर दी गई जो वशीयत के आधार पर विभूति के मृत्यु उपरान्त जरिये नामा० सं० 617 स्वीकृत किया जाकर उक्त भूमि सुभाष यादव के नाम दर्ज कर दी गई, तत्पश्चात सुभाष यादव द्वारा उक्त भूमि को अपील सं० 29/2014 के रेस्पोजेन्ट को दिनांक 30.12.2013 को ही विक्रय कर दिया जिसका नामा० सं० 620 दिनांक 9.1.2014 को तहसीलदार लाडपुरा द्वारा तस्दीक कर दिया गया जो सर्वथा त्रुटिपूर्ण व अवैधानिक है । योग्य अधीनस्थ न्यायालय ने इस तथ्य की ओर कोई ध्यान नहीं दिया कि सम्वत 2016 के सेटलमेंट से पूर्व खसरा नम्बर 109 की 42 बीघा 18 बिस्वा भूमि थी जो अपीलांत के पिता के खाते में दर्ज थी तथा सम्वत 2016 के पश्चात हुए सेटलमेंट के पश्चात उक्त भूमि के ख०नं० 112/358, 112/403, 112/355, 112/356, 112/357, 114 कायम किये गये, उनमें से खसरा नम्बर 112/355, 112/356, 112/357, तथा 114 कुल चार किता की 11 बीघा 4 बिस्वा भूमि अवाप्त कर रेल्वे कारखाने के नाम दर्ज कर दी गई तथा शेष भूमि अपीलान्त के पिता के खाते में दर्ज रही । उसके पश्चात सम्वत 2038 में जब पुनः सेटलमेंट हुआ तो शेष भूमि के पुनः नम्बर


जिज्ञा ककुकर

बदलकर नये खसरा नम्बर 156, खसरा नम्बर 157/609 ख0नं0 162 व खसरा नम्बर 163 कायम किये जिसमें से ख0नं0 156 की 0.05 हे0 तथा ख0नं0 157/609 की 0.43 हे0 भूमि त्रुटिपूर्ण तरीके से रेस्पो0 के पिता विभूति के खाते में दर्ज कर दी गई जबकि उक्त भूमि मेंसे उसका कोई सम्बन्ध नहीं था, उक्त भूमि के सम्बन्ध में घोषणा खातेदारी एवं इन्द्राज दुरुस्ती का वाद गत 17-18 वर्षों से न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कोटा के यहां पर विचाराधीन है तथा उक्त वाद में न्यायालय राजस्व प्राधिकारी कोटा के द्वारा दिनांक 27.2.1996 को अस्थाई निषेधाज्ञा प्रसारित कर वादग्रस्त भूमि को रहन, बेय, विक्रय, खुर्दबुर्द तथा किसी भी प्रकार से परिवर्तित न करने के सम्बन्ध में पाबन्द कर रखा है फिर भी अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उपरोक्त नामान्तरण तस्दीक करने में त्रुटि की है। अतः अपील अपीलान्त स्वीकार फरमाई जाकर योग्य अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय दिनांक 30.12.2013 नामा0 सं0 617 व निर्णय दिनांक 9.1.2014 नामा0 सं0 620 निरस्त फरमाया जावें।

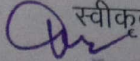
4. उपरोक्तानुसार दौनों अपीलें पेश होने पर दर्ज रजिस्टर की जाकर रेस्पो0 को तलब किया गया। वकील उभयपक्ष की बहस सुनी गई।
5. वकील अपीलान्त द्वारा अपनी बहस में कथन किया कि ग्राम सोगरिया स्थित खसरा नम्बर 156 व 157/609 अपीलान्त के पिता के खाते की भूमि थी जिसे सेटलमेंट विभाग द्वारा सद्यंत्रपूर्वक तरीके से गलत तौर पर रेस्पोडेन्ट के पिता के खाते में दर्ज कर दी गई जो वशीयत के आधार पर विभूति की मृत्यु उपरान्त जरिये नामा0 सं0 617 स्वीकृत किया जाकर उक्त भूमि सुभाष यादव के नाम दर्ज कर दी गई, तत्पश्चात सुभाष यादव द्वारा उक्त भूमि को अपील सं0 29/2014 के रेस्पोडेन्ट को दिनांक 30.12.2013 को ही विक्रय कर दिया जिसका नामा0 सं0 620 दिनांक 9.1.2014 को तहसीलदार लाडपुरा द्वारा तस्दीक कर दिया गया जो सर्वथा त्रुटिपूर्ण व अवैधानिक है। योग्य अधीनस्थ न्यायालय ने इस तथ्य की ओर कोई ध्यान नहीं दिया कि सम्वत 2016 के सेटलमेंट से पूर्व खसरा नम्बर 109 की 42 बीघा 18 बिस्वा भूमि थी जो अपीलान्त के पिता के खाते में दर्ज थी तथा सम्वत 2016 के पश्चात हुए सेटलमेंट के पश्चात उक्त भूमि के ख0नं0 112/358, 112/403, 112/355, 112/356, 112/357, 114 कायम किये गये, उनमें से खसरा नम्बर 112/355, 112/356, 112/357, तथा 114 कुल चार किता की 11 बीघा 4 बिस्वा भूमि अवाप्त कर रेल्वे कारखाने के नाम दर्ज कर दी गई तथा शेष भूमि अपीलान्त के पिता के खाते में दर्ज रही। उसके पश्चात सम्वत 2038 में जब पुनः सेटलमेंट हुआ तो शेष भूमि के पुनः नम्बर बदलकर नये खसरा नम्बर 156, खसरा नम्बर 157/609 ख0नं0 162 व खसरा नम्बर 163 कायम किये जिसमें से ख0नं0 156 की 0.05 हे0 तथा ख0नं0 157/609 की 0.43 हे0 भूमि त्रुटिपूर्ण तरीके से रेस्पो0 के पिता विभूति के खाते में दर्ज कर दी गई जबकि उक्त भूमि मेंसे उसका कोई सम्बन्ध नहीं था, उक्त भूमि के सम्बन्ध में घोषणा खातेदारी एवं इन्द्राज दुरुस्ती का वाद गत 17-18 वर्षों से न्यायालय उपखण्ड अधिकारी कोटा के यहां पर विचाराधीन है तथा


जिज्ञा कक्कर
कोटा

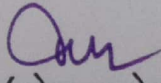
उक्त वाद में न्यायालय राजस्व प्राधिकारी कोटा के द्वारा दिनांक 27.2.1996 को अस्थाई निषेधाज्ञा प्रसारित कर वादग्रस्त भूमि को रहन, बेय, विक्रय, खुर्द बुर्द तथा किसी भी प्रकार से परिवर्तित न करने के सम्बन्ध में पाबन्द कर रखा है फिर भी अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उपरोक्त नामान्तकरण तस्दीक करने में त्रुटि की है। अतः अपील अपीलान्त स्वीकार फरमाई जाकर योग्य अधीनस्थ न्यायालय का निर्णय दिनांक 30.12.2013 नामा० सं० 617 व निर्णय दिनांक 9.1.2014 नामा० सं० 620 निरस्त फरमाया जावें।

6. वकील रेस्पोजेन्ट द्वारा अपनी बहस में जाहिर किया कि रेस्पोजेन्ट सुभाष यादव के पिता विभूति के नाम दर्ज भूमि वसीयत के आधार पर अधीनस्थ न्यायालय तहसीलदार लाडपुरा द्वारा आदेश दिनांक 30.12.2013 से जरिये नामा० संख्या 617 से वशीयत ग्रहित पुत्र के नाम की गई, जो एक सतत प्रक्रिया है उसमें कोई कानूनी बाधा नहीं है। साथ ही जब भूमि सुभाष यादव के नाम दर्ज हो गई तो खातेदार होने के नाते सुभाष यादव द्वारा उक्त भूमि को विक्रय का अधिकार होने से अपील सं० 29/2014 के रेस्पोजेन्ट मोहम्मद शफी व अशोक कुमार उदलक्खा को विक्रय की गई जिसका नामा० सं० 620 आदेश दिनांक 9.1.2014 से स्वीकृत किया गया, अधीनस्थ न्यायालय द्वारा उक्त दौनों नामान्तकरण विधिक एवं सतत प्रक्रिया के तहत स्वीकृत किये गये हैं, जिनमें कोई खामी नहीं है। अतः उपरोक्त दौनों ही अपीलें अस्वीकार योग्य होने से खारिज फरमाई जावें।

7. हमने अपील सं० 4/2014 नामा० सं० 617 एवं अपील सं० 29/2014 नामा० सं० 620 को consolidate किया जाकर उभयपक्ष की बहस एकसाथ सुनी गई एवं पत्रावलियों का भली भांति अवलोकन किया। ग्राम सोगरिया की उक्त विवादित भूमि ख०नं० 156 व 157/609 रकबा 0.48 हे० विभूति के नाम खातेदारी में दर्ज थी, जिसकी वसीयत उनके पुत्र सुभाष यादव के नाम की जाने से विभूति के मृत्यु के बाद तहसीलदार लाडपुरा द्वारा नामा० सं० 617 दिनांक 30.12.2013 से उक्त नामा० स्वीकृत किया जाकर उक्त भूमि वसीयतग्रहिता सुभाष यादव के नाम दर्ज कर दी गई जो एक सतत प्रक्रिया के तहत होने से इसमें हम कोई दोष नहीं मानते हैं किन्तु इसके पश्चात रेस्पोजेन्ट सुभाष यादव द्वारा उक्त विवादित भूमि को विक्रय पत्र दिनांक 30.12.2013 से बेचान कर दिया जिसका नामा० सं० 620 दिनांक 9.1.2014 स्वीकृत किया गया, जिससे न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी के स्थगन आदेश दिनांक 27.2.1996 की अवहेलना हुई है तथा उक्त विवादित भूमि के सम्बन्ध में घोषणा खातेदारी व इन्द्राज दुरुस्ती का वाद विचाराधीन होते हुए भी भूमि का बेचान किया जाना अपर कोर्ट के आदेशों की अवहेलना है। अधीनस्थ न्यायालय द्वारा फिर भी उक्त विक्रय पत्र का नामा० सं० 620 आदेश दिनांक 9.1.2014 से स्वीकृत कर दिया जो त्रुटिपूर्ण व विधिविरुद्ध होने से निरस्त योग्य है।


जिष्ठा कलेक्टर
कोटा

8. अद्योपान्त हम यह पाते है कि अपील सं० 4/2014में नामा० सं० 617 दिनांक 30.12.2013 खातेदार विभूति के बाद वसीयत के आधार पर रेस्पोजेन्ट सुभाष यादव के हक में स्वीकार किया गया है जो एक सतत प्रक्रिया के तहत होने से हम कोई दोष नहीं पाते है। अतः अपील खारिज की जाकर नामा० सं० 617 आदेश दिनांक 30.12.2013 यथावत रखा जाता है । किन्तु अपील सं० 29/2014 में विवादित भूमि के सम्बन्ध में न्यायालय एसडीओ कोटा में वाद विचाराधीन होते हुए तथा न्यायालय राजस्व अपील प्राधिकारी कोटा का स्थगन होते हुए भी विक्रय पत्र दिनांक 30.12.2013 का नामा० सं० 620 दिनांक 9.1.2014 स्वीकृत किया गया है जो त्रुटिपूर्ण व विधिविरुद्ध होने से निरस्त किया जाता है । तथा उक्त विवादित भूमि से सम्बन्धित घोषणा खातेदारी एवं इन्द्राज दुरुस्ती का वाद उपखण्ड अधिकारी कोटा में विचाराधीन होने से हक व अधिकारों का निर्धारण मूल वाद में ही होगा ।
9. निर्णय आज दिनांक 31.12.2019 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया ।


(ओम कसेरा)

जिला कलक्टर कोटा

